भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 577
दिनांक 06 फरवरी, 2025

आयातित कच्चे तेल की कीमत में कमी

577. श्री अमरा राम :

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत छह माह से आयातित कच्चे तेल की कीमतों में कमी आने के बावजूद पेट्रोल और डीजल की कीमतों को सीधे तौर पर बाजार से जोड़कर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी न किए जाने के क्या कारण हैं; और

(ख) सरकार द्वारा वर्ष 2014 से दिसम्बर, 2024 तक पेट्रोल, डीजल और गैस से केन्द्रीय शुल्क और उपकर के रूप में वर्षवार कितनी-कितनी राजस्व राशि एकत्र की गई?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क): पेट्रोल और डीजल के मूल्य बाजार निर्धारित हैं और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां (ओएमसीज) पेट्रोल और डीजल के मूल्य निर्धारण के संबंध में उचित निर्णय लेती हैं।

सरकार और पीएसयू ओएमसीज द्वारा किए गए विभिन्न उपायों के परिणामस्वरूप घरेलू तौर पर पेट्रोल और डीजल के मूल्य कम होकर क्रमश: 94.77 रुपए और 87.67 रुपए प्रति लीटर (दिल्ली मूल्य) हुए हैं। केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर दो बार नवंबर 2021 और मई 2022 में केंद्रीय उत्पाद शुल्क में क्रमश: कुल 13 रुपए/लीटर और 16 रुपए/लीटर की कमी की, जिसका लाभ पूरी तरह से उपभोक्ताओं को दे दिया गया था। कुछ राज्य सरकारों ने भी नागरिकों को राहत देने के लिए राज्य वैट दरें कम कर दी। मार्च, 2024 में, ओएमसीज ने भी पेट्रोल और डीजल, प्रत्येक के खुदरा मूल्यों में 2 रुपये प्रति लीटर की कमी की।

वर्तमान में पीएसयू-ओएससीज ने अंतर-राज्य भाड़े का युक्तिकरण किया है। इसमें राज्यों के भीतर सुदूर भागों में पेट्रोल और डीजल के मूल्यों में कमी के रूप में पेट्रोलियम ऑयल और ल्युब्रिकेट्स (पीओएल) डिपो से दूर रहने वाले उपभोक्ताओं को लाभ मिला है। इस पहल ने राज्य में पेट्रोल या डीजल के अधिकतम और न्यूनतम खुदरा मूल्यों के बीच का अंतर भी कम कर दिया है।

भारत सरकार ने आम नागरिकों को उच्च अंतरराष्ट्रीय मूल्यों से बचाने के लिए कई अन्य कदम भी उठाए, जिनमें कच्चे तेल की आयात बास्केट में विविधता लाना, घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सार्वभौमिक सेवा दायित्व के प्रावधानों को लागू करना, पेट्रोल में एथेनॉल का मिश्रण बढ़ाना आदि शामिल थे।

(ख): वर्ष 2014-2015 से राजकोष में पेट्रोलियम क्षेत्र के योगदान का ब्यौरा **अनुलग्नक** में दिया गया है।

अनुलग्नक

"आयातित कच्चे तेल की कीमत में कमी" के संबंध में श्री अमरा राम द्वारा दिनांक 06.02.2025 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 577 के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

वर्ष 2014-15 से राजकोष में पेट्रोलियम क्षेत्र का योगदान

(करोड़ रुपए में)

वित्त वर्ष	केंद्रीय राजकोष में कुल योगदान	राज्य के राजकोष में कुल योगदान	राजकोष में पेट्रोलियम क्षेत्र का कुल योगदान
2014-15	1,72,065	1,60,554	3,32,620
2015-16	2,54,297	1,60,209	4,14,506
2016-17	3,35,175	1,89,770	5,24,945
2017-18	3,36,163	2,06,863	5,43,026
2018-19	3,48,041	2,27,591	5,75,632
2019-20	3,34,315	2,21,056	5,55,370
2020-21	4,55,069	2,17,650	6,72,719
2021-22	4,92,303	2,82,122	7,74,425
2022-23	4,28,067	3,20,651	7,48,718
2023-24	4,32,394	3,18,762	7,51,156
2024-25 (अप्रैल-सितंबर 2024) (पी)	1,83,319	1,55,866	3,39,185

उपरोक्त जानकारी 15 प्रमुख तेल एवं गैस कंपनियों द्वारा पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) को उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है। कंपनियों द्वारा पीपीएसी को रिपोर्ट की गई धनराशि कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के लिए सभी करों/ उपकर /शुल्कों/जीएसटी आदि की समेकित राशि है। (पी) अनंतिम

****